

राज्य में ई-मोबिलिटी के क्षेत्र में शोध एवं विकास के लिये पाँच 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' खोले जाएंगे

चर्चा में क्यों

6 जनवरी, 2022 को हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि राज्य में ई-मोबिलिटी के क्षेत्र में शोध एवं विकास के लिये पाँच 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' खोले जाएंगे। इनके अलावा, 20 आईटीआई या बहुतकनीकी संस्थानों में भी रिसर्च सेंटर आरंभ किये जाएंगे।

प्रमुख बंदि

- डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रत्येक 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' को 5 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसी प्रकार 20 आईटीआई या बहुतकनीकी संस्थानों को 25-25 लाख रुपए की वित्तीय मदद की जाएगी।
- उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दोपहिया, त्रिपहिया तथा चारपहिया ई-व्हीकल्स को प्रोत्साहित करने पर बल दे रही है। राज्य के सरकारी कर्मचारियों को 'ई-व्हीकल' खरीदने पर विशेष रियायत दी जाएगी।
- राज्य सरकार द्वारा ई-व्हीकल निर्माता कंपनियों, प्रयोग करने वाले वाहन चालकों तथा चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने वाले लोगों को फोकस करके 'हरियाणा इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी' बनाई जा रही है जिसमें उनको विशेष छूट दी जाएगी।
- प्रदेश सरकार की योजना है कि वर्ष 2022 में राज्य में ई-व्हीकलों की भारी तादाद हो। प्रदेश सरकार का यह भी प्रयास है कि ई-व्हीकल के लिये बनाई जा रही प्रदेश की 'हरियाणा इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी' पूरे देश में सर्वोत्कृष्ट हो।